Anand
DATE :
PAGE NO. : 14

ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नः- 02
ट्रैक नः- 1200M0005
ट्रैक समयवधिः- 40 : 18
कलाकार का नामः- सुमान खाँ
पिता का नामः- खमेखाँ
पताः- गाव - बड़नावा चारणान तेह- पचपदरा
जिला - बाड़मेर
सहायक कलाकार
विडियो रिकोर्डिंग समयः-

विषयः- कथा (रायोसिंह)
विशेष विवरणः-
दिनाक - 04-07-2021
स्थान - बड़नावा चारणान

प्रस्तुत कथा रायोसिंह नाम से प्रचलित है। यह कथा रायोसिंह और उसकी पत्नी पर और इनके विवाह पर आधारित है। कथा में संयोगावस्था तथा वियोगावस्था के दोनो पक्षों को उजागर किया गया है।

कथा की शुरुआत में रायोसिंह जो राठोड वंश से है जो वीर और साहसी राजा का कंवर है तथा चारों दिशाओं में उसका नाम है।

सौढों रांणो खिंवरो जोन जडेजे जोम
राठोड़ों में रायोसिंह हुआ, सिंध में साद्री खॉन

अब रायोसिंह पूरा जवान हो गया है तथा चारों दिशाओं के रजवाडों से रायोसिंह के लिए रिस्ते आने लग गए है लेकिन रायोसिंह सभी रिस्तो स्वीकार नहीं करता है लेकिन एक अच्छे रजवाडे से रिस्ता आता है तो रायोसिंह इस रिस्ते को स्वीकार कर लेता है। अब पंडित को बुलाकर विवाह का मुहरत निकलवाते है और विवाह तैयारियाँ करने लग जाते है तथा हाथी घोडे और सैंकडो लोगों के साथ बारात निकलती है और जाकर पहुँच जाती है तो वहां भी बारात के लिए अच्छी व्यवस्था की गई है और दुलहन भी सज-धज के बैठी है इस खुशी के मौके पर एक व्यक्ति आता और रायोसिंह से कहता है कि राजकुमारी एक आंख से काणी है तथा रायोसिंह किसीसे पूछता भी नहीं है और बारात वही छोड़कर वापिस अपने घर आ जाता है। तो सभी लो वहां से चले जाते है और विवाह टूट जाता है कई दिन गुजर जाते है तथा राजकुमारी रायोसिंह को पत्र लिखती कि हे राजकुमार मेरे अन्दर एसी क्या कमी है जो आप मुझे इस तरहा से छोडकर चले गए एक बार मुझे आप देख तो लो! इसप्रकार राजकुमारी कई पत्र लिखती है तो रायोसिंह एक पत्र लिखकर भेजता है कि इस मैं आपके शहर के इस मंदिर में आऊंगा। तुम मुझसे मिलने आ सकती है। इसतरहा से रायोसिंह उस मन्दिर में जाता है तथा वह राजकुमारी भी उस मन्दिर में आती तथा दोनो एक दूसरे को देखते है तो

रायोसिंह तो खूबसूरत है लेकिन वह राजकुमारी इतनी खूब-सूरत होती है कि रायोसिंह उस पर मोहित हो जाता है। और पछताने लगता है कि ऐसी खूबसूरत स्त्री को मैं छोड़कर क्यों गया था तो अब रायोसिंह उससे कहता है कि मैं फिर से इस दिन को बारात लेकर आऊँगा और विवाह करके तुम्हे अपने घर ले जाऊँगा। यह कहकर रायोसिंह अपने घर की तरफ रवाना हो जाता है और राजकुमारी अपने घर की तरफ चल देती है तथा वहां से जाते समय एक जादूगर महाराज की नजर राजकुमारी पर पड़ जाती है तथा उस पर मोहित हो जाता है तथा अपना जादू राजकुमारी पर फूंक देता है। कुछ दिन बाद रायोसिंह फिर से बारात लेकर आता है तथा उसी तरह से विवाह की तैयारियाँ हो रही होती है लेकिन राजकुमारी पर उस जादू का असर होता है और उसकी मृत्यु हो जाती है। तथा फिर से रायोसिंह की शादी टूट जाती है। रायोसिंह कहता है कि अब मैं आजीवन अविवाहित रहूँगा क्योंकि मुझे ऐसी औरत फिर से नहीं मिल सकती है और उसे विश्वास भी नहीं होता कि उसकी मौत अचानक कैसे हो गई तो वह उसकी मौत का कारण जानने के लिए उसी शहर में रहने लग जाता है। तथा वह घूमते-घूमते एक दूती के पास जाता है उसे वह सारी बात बताता है तो वह दूती उस महाराज के बारे में रायोसिंह को बताती है कि वह महाराज पहले जो तो अपनी शक्ति से औरत को मारता है फिर उसे धीरे-धीरे फिर से अपनी शक्तियों से बाहर निकालता है और अपने वश में करने की कोशिश करता है। अगर औरत उसके वश में हो जाती है तो उसे पूर्ण बहार निकाल देता है नहीं तो उसे वापिस जमीन में गाड़ देता है। इस तरह रायोसिंह उस मन्दिर के पीछे छुप कर देखता है कि उसी की पत्नी का सिर्फ सिर बाहर निकालता है और कहता है कि तुम मेरी पत्नी

बन जाओ मैं तुम्हे पूर्ण बहार निकाल दूंगा तो वह कहती है मैं पत्नी तो सिर्फ रायोसिंह की हूं और उसके बिना मुझे जीवनलोक भी नहीं चाहिए। रायोसिंह यह अपनी आँखों से देखता है दूसरे दिन थोड़ी और निकालता है तथा यही सवाल पूछता है तो वह यही जवाब देती है मैं औरत रायोसिंह की हूं। तथा वह सातवें दिन पूरी धरती पर निकाल देता है [redacted] और कहता कि औरत किसकी तो वह कहती है कि औरत तो रायोसिंह की ही हूँ तथा उस महराज को गुस्सा आ जाता है और उसे वापिस गाड़ने लगता है तब रायोसिंह तलवार लेकर छुपा हुआ था वह आते ही तलवार से महराज का सिर धड़ से अलग कर देता है महराज को मारकर अपनी पत्नी पत्नी को अपने पिता के घर छोड़कर फिर से बारात लेकर आता है तथा विवाह करके अपनी पत्नी को घर ले जाता है।